

CBSE Class-3 Hindi

NCERT Solutions

रम झम पाठ- 5. बहादरुिब ो

कहानी म ढूँढो

न 1. शेर िकसान से या लेनेगया था?

उ र- शेर िकसान सेउसका बलै लेनेगया था।

न 2. शेर नेिबो को रा सी य समझ लया?

उ र - िब ो नेसर पर बड़ा-सा प गड़ बाँधरखा था और उसकेहाथ म दराँती भी थी। उसनेिकसान सेकहा िक तुमनेतो कहा था िक चार शेर फाँसरखेह।ँ चलो, ना तेम एक ही शेर काफ ह।ँ इस लए शेर नेिब ो को रा सी समझ लया था।

न 3. बलै क जान कैसेबच गई?

उ र - बलै क जान िब ो केउपाय सेबच गई। उसनेधैय सेकाम लया। शेर नेिब ो को चार शेर का ना ता करनेवाली समझ लयाऔर भाग गया।

तुहारी ज़बानी

नीचेकुछ श द केनीचेरेखाएँदी हई ह। उ ह यान म रखतेहए नीचेलखेवा य को अपनेश द म लखो।

न 1. िब ो घोड़ेपर सवार हो गई।

उ र- घोड़ेपर िब ो सवार हो गई।

न 2. तुमघर क गाए को शेर केहवालेकर रहेथे।

उ र- घर क गाय को तुमशेर केहवालेकर रहेथे।

न 3. आज एक रा सी सेपाला पड़ गया।

उ र- एक रा सी सेआज पाला पड़ गया।

न 4. अगर बलै आपकेहाथ न आए तो मेरा नाम भेिडिया नह ।

उ र- आपकेहाथ अगर बलै न आए तो मेरा नाम भेिडिया नह ।

न 5. शेर को देखतेही िकसान केहोश-हवास गुमहो गए।

उ र- िकसान केशेर को देखतेही होश-हवास गुमहो गए।

बेचारा भेिडिया!

न 1. शेर तो डर कर भाग गया। सोचो भेिडिए का या हआ होगा?

उ र- शेर और भेड़िए ने एक-दसरे के पूँछ-से-पूँछ बाँध रखी थी। जब शेर डर कर भागा तो भेड़िया भी उसके साथ घिसटता हुआ गया। इससे उसका बुरा हाल हो गया। वह बुरी तरह जमी हो गया।

न 2. शेर किसान के पास कितनी बार गया था? कहानी देखे बिना बताओ?

उ र- शेर किसान के पास दो बार गया था।

खाली जगह में या आएगा?

न- मेरी छत पर मोर आया।

मेरी छत पर मोरनी आई।

मोर-मोरनी के तरह नीचे लखेश द के अभिप्रेत बदलो।

उ र- औरत -

आदमी घोड़ा -

घोड़ी शेर - शेरनी

मछुआरा -

मछुआरन ब चा-ब

ची राजा - रानी

म नह जऊंगा!

न- शेर ने बिंदो को रासी समझ लिया। वह खेत में नह जाना चाहता था पर भेड़िए के समझाने पर राजी हो गया। सोचो, शेर और भेड़िए के बीच या बातचीत हुई होगी?

उ र- शेर - भेड़िए, तुम यहाँ रह रहे हो?

भेड़िया - महाराज, वह तो बिंदो

थी। शेर - नह, नह! वह सचमुच रा

सी थी।

भेड़िया - मने अपनी आँख से देखा है महाराज। वह तो बिंदो ही थी, जैसे आपने गलती से रासी ही समझ लिया था? शेर - तुम सच कह रहे हो?

भेड़िया - हाँ, महाराज मैं सच कह रहा हूँ। आप मेरे साथ

चलो। शेर - ठीक है लेकिन तुम अपनी पूँछ मेरी पूँछ

से बाँध लो।

बोलो, तुम या सोचती हो!

न 1. भेड़िए नेशेर को भोले महाराज य कहा? या शेर सचमुच भोला था?

उ र- शेर ने किसान के पनी बिंदो को रासी समझ लिया था! जिस कारण वह डर कर भाग गया था। इस लए भेड़िए नेशेर को

भोले महाराज कहा। शेर सचमुच भोला था तभी तो वह बिंदो को रासी समझ बैठा।

न 2. शेर ने भेड़ों के पूँछ के साथ अपनी पूँछ य बाँधली?

उ र- शेर नेभेड़िए क पूँछ केसाथ अपनी पूँछ इस लए बाँधली ताकि भेड़िया उसेफँसा कर खदु न भाग जाए। रासी खाए तो दोन को एक साथ खाए।

न या शेर िफ र िबतो केखेत क तरफ गया होगा? हाँ,तो य ? नह , तो य ?

3.

उ र- शेर िफर कभी िब ो केखेत क तरफ नह य िक शेर िब ो को सचमुचरा सी समझकर यादा डर गया गया होगा, बहत

था।

न 4. िब ो क िह मत तुह कैसी लगी? अगर तुमिब ो क जगह होती तो शेर सेकैसी िनपटती?

उ र- िब नेहि मत मुझे ेरणादायक लगी। अगर म िब ो क जगह होती तो िब ो क तरह नह करती। म अपनेआस-पास के िकसान को इक ा करती व शोर मचातेहए खेत जाती। शोर सुनकर शेर जगलं म भाग जाता।

राजा का राज

शेर जगलं पर राज करता था।

मेरा राज िकसी सेन कहना।

राज और राज को बोलकर देखो।

दोन केबोलनेम फक हैन?

न 1. कहानी म सेऐसेही ज़ पर लगनेकुतेवालेश द ढूँढ ।

उ र- औज़ार फ़ौरान ज़ोर सफ़ तरफ़

न 2. अब अपनेमन सेसोचकर ज़ पर लगनेकुतेवालेपाँचश द लखो।

उ र- कागज़ ताज़ा ज़मानत ज़नाजा यादा

अगर ऐसा होता तो

न 1. अगर तुमशेर क जगह होती तो या करती?

उ र- अगर म शेर क जगह होती तो िकसान को घर जानेका मौका ही न देती। पहलेही बलै क छलाँगलगाकर दबोच लेती। िकसान डर केमारेभाग जाता।

न 2. अगर तुमिब ो क जगह होती शेर सेकैसे िनपटती?

उ र- अगर म िब ो के थान पर होती तो अपनेपड़ोसी िकसान को इक ा करती और उनकेसाथ शोर मचाती हई खेत क ओर जाती शोर सुनकर शेर भाग जाता।

पहचानो तो

न- कहानी म तुमनेदराँती का िच देखा। नीचेऐसेकुछ और औज़रो केिच लए गए ह। उ ह पहचानो और बाँ स म िदए श द

म सेसही श द ढूँढकर लखो।



पेचकस, खरपीु, करनी, हथोड़ी, आरी

उ र-



हथोड़ी



पेचकस



खरपीु



करनी

कौन या है?

न- नीचे दिए गए शब्द को सही तालका में लखो।

किसान, बोटल, लता, ककू, केला, कलम, राजू, रानू, चूहा, नीना, शेर, जूता, चारपाई, पगड़ी, खरगोश, करेला, चलनी, बिंदी,

घोड़ा, गौरया, बालटी, कोयल, नीम, किताब, दराँती।

उत्तर-

जानवर	चीज	नाम
	बोटल	
	कलम	लता
	केला	ककू
चूहा	जूता	किसान
शेर	चारपाई	राजू
खरगोश	पगड़ी	रानू
घोड़ा	करेला	नीना
गौरया	चलनी	बिंदी
कोयल	बालटी	पीपल
	किताब	नीम
	दराँती	

